



# PARTICIPANT HANDBOOK



IT/ITeS

Language:  
Hindi

# COMPUTER BASICS



N · S · D · C  
National  
Skill Development  
Corporation

**Orion Edutech**<sup>®</sup>  
ISO 9001:2015 CERTIFIED  
Funded Partner of NSDC

# **Computer Basics**

कंप्यूटर बेसिक्स

**Orion Edutech**<sup>TM</sup>

ISO 9001:2008 CERTIFIED

**An NSDC Partner Company**

Orion House, 28, Chinar Park, Rajarhat Road  
Kolkata – 700157, Ph.: +91 33 40051635

[www.orionedutech.com](http://www.orionedutech.com)

## विषय सूची (कंप्यूटर बेसिकस)

### अध्याय 1 कंप्यूटर की बुनियादी बातें \_\_\_\_\_

कंप्यूटर, फायदे, इतिहास, वर्गीकरण, अवयव

### अध्याय 2: विंडोज एक्सपी \_\_\_\_\_

विंडोज एक्सपी, विशेषताएं, नोटपेड, वर्डपेड

### अध्याय 3: विंडोज एक्सपी \_\_\_\_\_

एमएस पेंट

### अध्याय 4: विंडोज एक्सपी \_\_\_\_\_

फाइलों और फोल्डरों की व्यवस्था, सिस्टम फोल्डर, यूडीएफ, कॉपी, कट और पेस्ट

### अध्याय 5: विंडोज एक्सपी \_\_\_\_\_

स्टार्ट मीनू की प्रॉपर्टीज या विशेषताएं, टास्कबार की प्रॉपर्टीज या विशेषताएं, डिस्प्ले प्रॉपर्टीज या प्रदर्शन विशेषताएं

### अध्याय 6: विंडोज एक्सपी \_\_\_\_\_

रिसाइकल बिन प्रॉपर्टीज या विशेषताएं, रीजनेल सेटिंग्ज, जिपड फोल्डर

### अध्याय 7: विंडोज एक्सपी \_\_\_\_\_

शॉर्टकट, कैलक्यूलेटर, सर्च

### अध्याय 8: विंडोज 7 \_\_\_\_\_

विंडोज 7, सिस्टम की आवश्यकताएं, नए फीचर (इंटरफेस या अंतराफलक, गैजेट्स, एरोपिक)

### अध्याय 9: एमएस ऑफिस \_\_\_\_\_

एमएस ऑफिस, इतिहास, एमएस ऑफिस 2010, एप्लीकेशंस

### अध्याय 10: वर्ड 2010 \_\_\_\_\_

एमएस वर्ड 2010, इंटरफेस, पेज सेटअप, सरल फॉर्मेटिंग

### अध्याय 11: वर्ड 2010 \_\_\_\_\_

टेक्स्ट फॉर्मेटिंग यानी शब्द सामग्री का संरूपण, पैराग्राफ फॉर्मेटिंग यानी पैराग्राफ का संरूपण, बॉर्डर और शेडिंग यानी सीमारेखाएं और छायाएं

### अध्याय 12: वर्ड 2010 \_\_\_\_\_

Bullets and Numbering ( बुलेट्स और नंबरिंग ), Change Case ( चेंज केस ), Drop Cap ( ड्रॉप केस )

### अध्याय 13: वर्ड 2010 \_\_\_\_\_

टैब सेटिंग, पेज ब्रेक, कॉलम्स

### अध्याय 14: वर्ड 2010 \_\_\_\_\_

हेडर और फूटर, हाइपरलिंक

### अध्याय 15: वर्ड 2010 \_\_\_\_\_

ऑटो करेक्ट, फाइंड एंड प्लेसेज, इलस्ट्रेशंस यानी चित्रांकन – पिक्चर, क्लिप आर्ट, शेप्स, स्मार्ट आर्ट, स्क्रीनशॉट

### अध्याय 16: वर्ड 2010 \_\_\_\_\_

टेबल, टेबल के प्रकार, टेबल की प्रॉपर्टीज

### अध्याय 17: वर्ड 2010 \_\_\_\_\_

मेल मर्ज, मेल मर्ज की विधियां

### अध्याय 18: एक्सेल 2010 \_\_\_\_\_

एमएस एक्सेल 2010, शीट प्रॉपर्टीज, इंटरफेस



## अध्याय 1

### कंप्यूटर की बुनियादी बातें

उद्देश्य :

- कंप्यूटर
- फायदें
- इतिहास
- वर्गीकरण
- अवयव

### कंप्यूटर

“कंप्यूटर एक विद्युत-यांत्रिक या इलेक्ट्रो-मैकेनिकल उपकरण है, जो उपयोगकर्ता से इनपुट लेता है और उसकी प्रोसेसिंग करने के बाद आउटपुट उपयोगकर्ता को दे देता है।”

**इनपुट :** इनपुट का अर्थ है कमांड या निर्देश, जो उपयोगकर्ता समाधान जानने के लिए कंप्यूटर को देता है।

**प्रोसेसिंग :** कंप्यूटर हमारी भाषा नहीं जानता। यह केवल दो अंकों की बाइनरी भाषा जानता है जो 0110011001100 है। कंप्यूटर पहले हमारी भाषा को बाइनरी में बदलकर उसे समझता है और उसके बाद बाइनरी डाटा को उपयोगकर्ता की भाषा में बदलता है ताकि वह उपयोगकर्ता उसके परिणामों को समझ सके।

**आउटपुट :** आउटपुट का अर्थ होता है एक निश्चित डाटा के बदले में कंप्यूटर द्वारा दिए गए परिणाम।

मान लीजिए कि एक उपयोगकर्ता 2+1 का परिणाम जानना चाहता है। इस उदाहरण में 2+2 इनपुट है। इस इनपुट को लेने के बाद कंप्यूटर 2+2 को बाइनरी भाषा में बदलता है ताकि इस इनपुट को समझ सके। इसके बाद वह बाइनरी भाषा में ही परिणाम निकालता है और उस परिणाम को उपयोगकर्ता की भाषा में बदलता है और फिर मॉनीटर पर परिणाम प्रदर्शित करता है, जो 2+2=4 है। यह परिणाम आउटपुट है।

### कंप्यूटर के बुनियादी फायदे

#### गति

यह कुछ सेकंड में बहुत भारी मात्रा में कामों को अंजाम दे सकता है। जहां इंसान एक काम को सारे दिन में पूरा कर पाता है, वहीं कंप्यूटर उसी काम को बहुत ही कम समय में करता है। कंप्यूटर की गति को माइक्रोसेकंड, नैनोसेकंड और यहां तक कि पीकोसेकंड में नापा जाता है।

#### सटीकता

कंप्यूटर 100 प्रतिशत सटीक होता है और अंकगणितीय गणना तथा तार्किक क्रियाकलाप को उसी सटीकता के साथ करने में सक्षम होता है। कंप्यूटर गलती कर सकता है लेकिन इंसान की गलती पर ही वह ऐसा कर सकता है। अशुद्ध डाटा फीड करने के कारण या प्रोग्रामर के द्वारा गलत सेटिंग करने के कारण ही ऐसा हो सकता है।

#### कर्मठता

यदि आप लगातार 3 घंटे काम करते हैं, तो एकाग्रता की कमी, थकान और ऊब महसूस करने लगते हैं, लेकिन कंप्यूटर इन चीजों से मुक्त होता है और आपके चाहे गए परिणाम उसी गति और सटीकता के साथ देता है।

## बहुउपयोगिता

कंप्यूटर बहुत सारी तरह के काम कर सकता है। इसका उपयोग डाटा प्रोसेसिंग के कामों, मौसम की भविष्यवाणी, टिकट आरक्षण के प्रयोजन, मल्टीमीडिया डिजाइनिंग, एनीमेशन आदि में किया जाता है।

## कंप्यूटरों का ऐतिहासिक विकास

आधुनिक कंप्यूटर पिछले सात दशकों में बहुत सारे लोगों के द्वारा किए गए अनगिनत आविष्कारों, विचारों और घटनाक्रमों का अंतिम परिणाम है। स्वचालित डाटा प्रोसेसिंग का इतिहास 1830 में तब शुरू हुआ, जब चार्ल्स बाबागे ने कैम्ब्रिज, इंग्लैंड में स्वचालित यांत्रिक गणक या कैलक्युलेटर बनाने का प्रयास किया। कंप्यूटर के समूचे विकास को पीढ़ियों की निश्चित संख्या में बांटा जाता है।

### प्रथम पीढ़ी के कंप्यूटर

यूनिवाक (यूनिवर्सल ऑटोमेटिक कंप्यूटर) सामान्य उद्देश्य के लिए बनाया और उपलब्ध किया गया पहला विद्युत कंप्यूटर था और इसी के साथ पहली पीढ़ी के इलेक्ट्रिक कंप्यूटरों की शुरुआत हुई। पहली पीढ़ी के इलेक्ट्रिक कंप्यूटरों में वैक्यूम ट्यूब लगाई गई थीं। ये कंप्यूटर आकार में बड़े थे और इनके लिए एयर कंडीशनिंग की जरूरत पड़ती थी। इनपुट और आउटपुट इकाइयां पंच किए हुए कार्ड रीडर और कार्ड पंच हुआ करते थे।

### दूसरी पीढ़ी के कंप्यूटर

इन कंप्यूटरों में ट्रांजिस्टर और ठोस-अवस्था वाले उपकरण लगाए जाते थे। उनके सर्किट या परिपथ वैक्यूम ट्यूब से छोटे होते थे और कम ताप उत्पन्न करते थे। इसलिए दूसरी पीढ़ी के कंप्यूटरों को कम बिजली की जरूरत होती थी, ज्यादा तेज और ज्यादा भरोसेमंद होते थे। आईबीएम 1401 दूसरी पीढ़ी का सबसे लोकप्रिय कंप्यूटर था।

### तीसरी पीढ़ी के कंप्यूटर

इनमें इंटीग्रेटेड सर्किट (आईसी) या एकीकृत परिपथ लगाए जाते थे, जिनमें विद्युत परिपथ के सभी तत्व एक बहुत ही छोटे-से सिलिकन वैफर में होते हैं। तीसरी पीढ़ी के कंप्यूटर दूसरी पीढ़ी के कंप्यूटरों की तुलना में कहीं ज्यादा सस्ते और ज्यादा भरोसेमंद हैं। तीसरी पीढ़ी के कंप्यूटर फोरट्रॉन और कोबोल जैसी उच्च स्तर की भाषाओं का इस्तेमाल करने की अनुमति देते हैं। तीसरी पीढ़ी के कंप्यूटरों के घटनाक्रमों में से एक मिनी कंप्यूटर भी है।

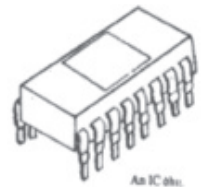
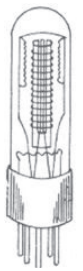
### चौथी पीढ़ी के कंप्यूटर

चौथी पीढ़ी की मशीनें 1970 के दशक में आईं जिनमें और भी नई प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल किया गया था, जिनकी वजह से ये तीसरी पीढ़ी की मशीनों से कहीं ज्यादा छोटी और तेज थीं। इस समय तक कई नए प्रकार के टर्मिनल और कंप्यूटर की पहुंच के साधन भी विकसित किए जा चुके थे।

चौथी पीढ़ी के कंप्यूटरों की मार्ग प्रशस्त करने वाले प्रमुख आविष्कारों में से एक लार्ज स्केल इंटीग्रेटेड सर्किट (एलएसआई) थे। एलएसआई एक छोटी-सी "चिप" है जिसमें हजारों छोटे-छोटे इलेक्ट्रॉनिक अवयव होते हैं जो एक संपूर्ण प्रणाली के रूप में काम करते हैं।

### माइक्रोकंप्यूटर :

जुलाई 1977 में डालास में आयोजित नेशनल कंप्यूटर कॉन्फ्रेंस में कमोडोर लिमिटेड ने एक ही आवास के भीतर, जिसे पर्सनल इलेक्ट्रॉनिक ट्रांजेक्ट या पीईटी या पेट कहा गया, पूरी तरह एसेंबल किए गए एक माइक्रोकंप्यूटर की घोषणा की और इसी के साथ कंप्यूटिंग की दुनिया की शुरुआत हुई। 1977 में ही बाद में रेडियो शेक कॉरपोरेशन ने टीआरएस 80 कंप्यूटर की घोषणा की।



### पर्सनल कंप्यूटरों का आईबीएम परिवार :

1981 में आईबीएम पर्सनल कंप्यूटरों की घोषणा के साथ इंटरनेशनल बिजनेस मशीनों (आईबीएम) ने माइक्रोकंप्यूटरों के क्षेत्र में पहली बार अपनी उपस्थिति दर्ज की। पर्सनल कंप्यूटर शब्द ने इस विचार को बल दिया कि एक व्यक्ति का भी उसका अपना निजी कंप्यूटर हो सकता है। आईबीएम पीसी की ईजाद के साथ ही कंप्यूटर विशाल संस्थानों की दहलीज से बाहर आए और घरों में दाखिल हुए। हालांकि आईबीएम ने 8-बिट का माइक्रोप्रोसेसर अपनाने के बजाय 16-बिट का माइक्रोप्रोसेसर इंटेल 8088 चुना, जिसने आईबीएम पीसी को रातोंरात कामयाब बना दिया। 1983 में आईबीएम के पीसी परिवार का पहला संस्करण एक्सटी मॉडल पेश किया गया। एटी मॉडल के कंप्यूटर के कार्य करने की गति पीसी और एक्सटी या यहां तक कि नए डेस्क प्रो से भी कहीं ज्यादा तेज है। जहां सॉफ्टवेयर विक्रेताओं में अपने उत्पाद आईबीएम पीसी के अनुकूल बनाने प्रारंभ किए, वहीं अनेक माइक्रोकंप्यूटर निर्माताओं ने इसके क्लोन या प्रतिरूप यानी नकलें बनाईं और बेचीं। इन क्लोन या नकलों को आईबीएम पीसी कॉम्पैटिबल्स कहा जाता था और इन पर वे सारे सॉफ्टवेयर चलाए जा सकते थे जो आईबीएम पीसी के लिए डिजाइन किए गए थे।

### पांचवीं पीढ़ी के कंप्यूटर

पांचवीं पीढ़ी के कंप्यूटरों को परिभाषित करना किंचित कठिन है क्योंकि यह क्षेत्र अभी अपने शैशवकाल में है। पांचवीं पीढ़ी के कंप्यूटरों का सबसे प्रसिद्ध उदाहरण आर्थर सी. क्लार्क के उपन्यास 2001 : ए स्पेस ओडिसी' से काल्पनिक एचएएल 9000 है। एचएएल ने वे सारे कार्य किए, जिनके पांचवी पीढ़ी के वास्तविक कंप्यूटरों से करने की फिलहाल कल्पना की जाती है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस या कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बल पर एचएएल इतने पर्याप्त अच्छे ढंग से सोचविचार कर सकते थे कि वे अपने मानव संचालकों से बातचीत, दृश्य या विजुअल इनपुट का इस्तेमाल और खुद अपने अनुभव से सीख हासिल कर सकते थे।

### कंप्यूटरों का वर्गीकरण

#### एनालॉग कंप्यूटर :

ये ऐसे कंप्यूटर हैं जो डाटा को संख्याओं में व्यक्त करने के बजाय एक समस्या का समाधान करने के क्रम में डाटा को मापने योग्य मात्राओं या परिमाणों जैसे वोल्टेज, गीअर्स आदि के घूमने के द्वारा दर्शाते हैं।



#### डिजिटल कंप्यूटर :

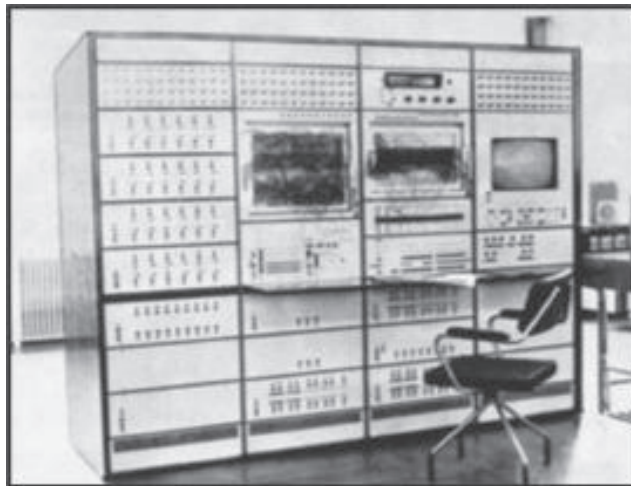
यह वह कंप्यूटर है जो पृथक संकेतों के रूप में व्यक्त डाटा के ऊपर गणितीय और तार्किक कार्यों की एक श्रृंखला को आम तौर पर बाइनरी नोटेशन के रूप में संग्रहीत और निष्पादित करता है।



डिजिटल कंप्यूटर

**हाइब्रिड कंप्यूटर :**

वह कंप्यूटर प्रणाली जिसमें एनालॉग और डिजिटल कंप्यूटर प्रणालियों का संयोजन या मिश्रण होता है, उसे हाइब्रिड कंप्यूटर कहा जाता है।



हाइब्रिड कंप्यूटर

**अवयव**

कंप्यूटर के दो अवयव होते हैं :

- हार्डवेयर
- सॉफ्टवेयर

**हार्डवेयर** : उस प्रकार का उपकरण या डिवाइस जिसे में देख और छू सकते हैं और जो भौतिक रूप से उपस्थित होता है, उसे हार्डवेयर डिवाइस कहा जाता है। उदाहरण : माउस, मॉनीटर, कीबोर्ड, सीपीयू, इत्यादि।

**सॉफ्टवेयर** : ऐसे प्रोग्राम या कोई भी ऐसी चीज जो कंप्यूटर पर चलती है, सॉफ्टवेयर कही जाती है। सॉफ्टवेयर कंप्यूटरों और संबंधित उपकरणों को संचालित करने के लिए इस्तेमाल किए जाने विभिन्न प्रकार के प्रोग्रामों के लिए प्रयुक्त एक सामान्य शब्द है। उदाहरण : एमएस ऑफिस, टैली, कोरल ड्रा, वीएलसी मीडिया प्लेयर, कोई भी गेम, इत्यादि।

सॉफ्टवेयर दो प्रकार के होते हैं :

- i. **सिस्टम सॉफ्टवेयर या प्रणालीगत सॉफ्टवेयर** : उस प्रकार के सॉफ्टवेयर जो कंप्यूटर की पूरी प्रणाली या सिस्टम को नियंत्रित करते हैं, सिस्टम सॉफ्टवेयर कहलाते हैं।

**ऑपरेटिंग सिस्टम** : ऑपरेटिंग सिस्टम एक सिस्टम सॉफ्टवेयर है जो कंप्यूटर को प्रारंभ करने के लिए आवश्यक होता है और यह हार्डवेयर तथा उपयोगकर्ता के बीच एक इंटरफेस या दुभाषिये का कार्य करता है।

**कुछ ऑपरेटिंग सिस्टम नीचे निम्न प्रकार हैं :**

1. **एमएस विंडोज** : विंडोज 95, 98, 2000, एक्सपी, विस्टा, विंडोज 7 (**जीयूआई** : ग्राफिक यूजर इंटरफेस)
2. **डॉस** (डिस्क ऑपरेटिंग सिस्टम) (सीयूआई : कैरेक्टर यूजर इंटरफेस)
3. **यूनिक्स**
4. **लाइनक्स**
5. **नोवेल नेटवेयर**

ii. **एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर या प्रयोगगत सॉफ्टवेयर** :

उस प्रकार के सॉफ्टवेयर जो एक सिस्टम विशेष के अंतर्गत चलते हैं और एक विशेष प्रकार के एप्लीकेशन के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं, एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर कहे जाते हैं। उदाहरण के लिए, लेखा कार्यों के आवश्यक सॉफ्टवेयर "टैली" है। दिन प्रति दिन के कार्यालयीन कार्यों जैसे पत्र लिखन, गणना करने आदि के लिए सॉफ्टवेयर एमएस ऑफिस है। डिजाइन के कार्यों के लिए सॉफ्टवेयर "कोरल ड्रा" है।

**जीयूआई और सीयूआई**

- यदि आप सभी ऑपरेटिंग सिस्टम को परखें, तो आप गौर करेंगे कि वे दो इंटरफेस प्रदान करते हैं – सीयूआई (कैरेक्टर यूजर इंटरफेस) और जीयूआई (ग्राफिकल यूजर इंटरफेस)।
- सीआईयू कैरेक्टर यूजर इंटरफेस का द्योतक है, इसका अर्थ है कि आपको अपने कंप्यूटर के साथ अंतर्किया करने के लिए कमांड टाइप करने होते हैं।
- जीआईयू ग्राफिकल यूजर इंटरफेस का द्योतक है, इसका अर्थ है कि आपको अपने कंप्यूटर के साथ अंतर्किया करने के लिए कमांड टाइप नहीं करने होते, इसके बजाय आपको बने-बनाए या तैयारशुदा कमांड के आइकन या प्रतीक चिह्नों पर माउस की मदद से क्लिक करना होता है।

**महत्त्वपूर्ण :**

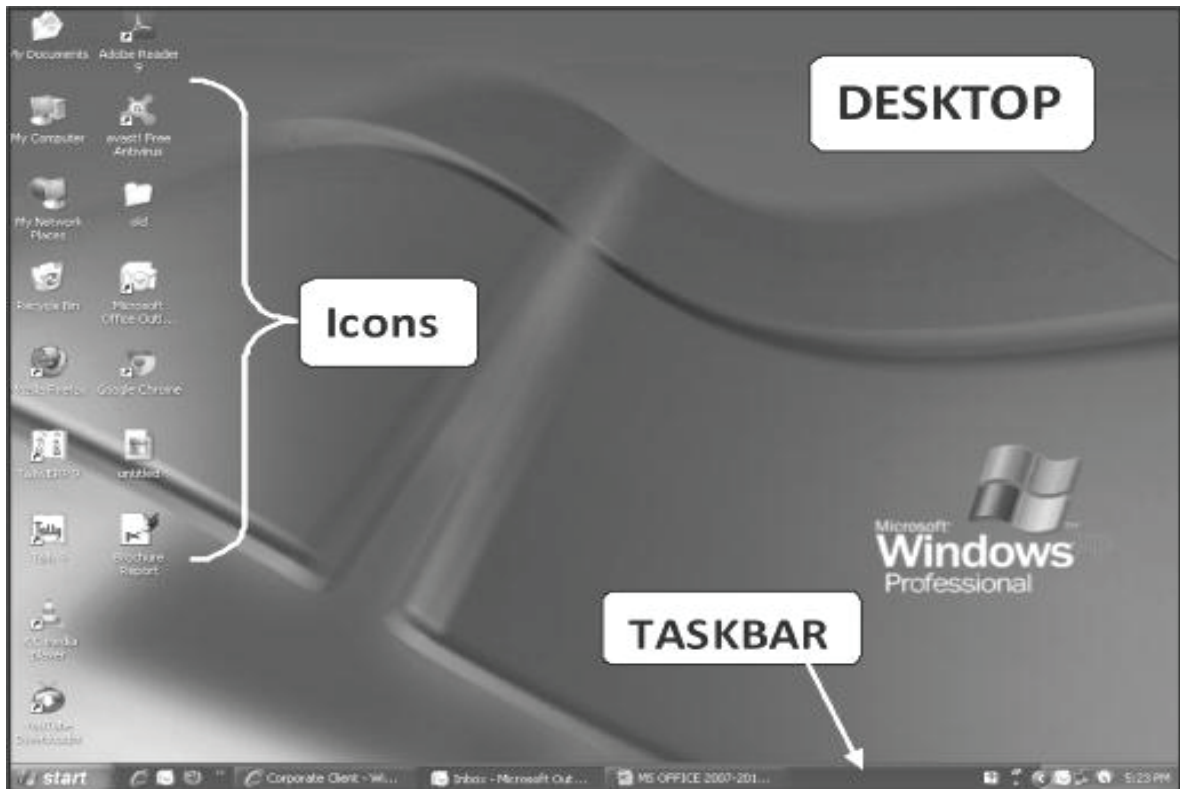
किसी भी कंप्यूटर के लिए कम से कम एक सिस्टम सॉफ्टवेयर आवश्यक होता है। एक से ज्यादा सिस्टम सॉफ्टवेयर भी संभव हैं लेकिन न्यूनतम एक आवश्यक है, अन्यथा कंप्यूटर नहीं चलेगा। लेकिन एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर के लिए ऐसा कोई मानदंड नहीं है। एक कंप्यूटर किसी एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर के बगैर भी चल सकता है। इसलिए इस अवधारणा के आधार पर हम कह सकते हैं कि सिस्टम और एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर के बीच ठीक वैसा ही संबंध होता है, जैसा रेल और पटरियों के बीच होता है, जिसमें पटरियां सिस्टम सॉफ्टवेयर की तरह होती हैं और रेल एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर की तरह होती है। रेल तभी चलती है जब पटरियां मौजूद होती हैं, वरना वह नहीं चलती।

**बूटिंग :**

बूटिंग वह प्रक्रिया है जिसमें उपयोगकर्ता को एक कार्य करने योग्य इंटरफेस प्रदान करने के लिए सभी प्रोग्राम (ऑपरेटिंग सिस्टम सहित) रैम या आरएएम (रैंडम एक्सेस मेमोरी जिसमें कंप्यूटर के ऑन होने पर उपयोगकर्ता काम करता है) पर आते हैं। पेरिफेरल डिटेक्शन या कंप्यूटर संबंधी खोज भी बूटिंग का हिस्सा है जिसमें सिस्टम कंप्यूटर के साथ जुड़ी सभी डिवाइसों की कनेक्टिविटी की जांच करता है।

बूटिंग प्रक्रिया के बाद, जिस पहले स्क्रीन से उपयोगकर्ता काम करना शुरू कर सकता है, उसे डेस्कटॉप कहा जाता है। डेस्कटॉप के बॉटम या सबसे निचले हिस्से में एक बार या पट्टी को टास्कबार कहते हैं जिसमें बाईं तरफ स्टार्ट बटन और दाहिनी तरफ क्लॉक या घड़ी होती है।





## सार—संक्षेप

- कंप्यूटर के लाभ गति, सटीकता, कर्मठता, बहुउपयोगिता आदि हैं।
- कंप्यूटर के दो अवयव होते हैं। एक हार्डवेयर और दूसरा सॉफ्टवेयर।
- ऑपरेटिंग सिस्टम एक सिस्टम सॉफ्टवेयर है जो कंप्यूटर को चालू या स्टार्ट करने के लिए आवश्यक है और यह हार्डवेयर तथा उपयोगकर्ता के बीच इंटरफेस यानी दुभाषिया होता है।

## करने के लिए कार्य

1. कंप्यूटर क्या है?
2. कंप्यूटर के क्या-क्या फायदे हैं?
3. सिस्टम और एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर के बीच क्या अंतर है?
4. सिस्टम फोल्डर से आपका क्या आशय है?
5. जीयूआई और सीयूआई के बीच क्या अंतर है?
6. बूटिंग क्या है?
7. सभी पीढ़ी के कंप्यूटर के कम से कम दो उदाहरण दें।
8. कंप्यूटर की विभिन्न प्रकार की विशेषताओं का वर्णन करें।

9. कंप्यूटर में मौजूद स्टोरेज डिवाइस क्या होती है?
10. विनसेक्टर डिस्क क्या होती है?
11. कंप्यूटर के आधारभूत कार्यों का संक्षेप में वर्णन करें।
12. प्रत्येक पीढ़ी के कंप्यूटर की विशेषताओं को समझाएं।
13. माइक्रोकंप्यूटर क्या है? इसके फायदे और कमियां बताइए।
14. सुपर कंप्यूटर क्या है? इसके फायदे और कमियां बताइए।

## अध्याय 2

### विंडोज़ एक्सपी

उद्देश्य :

- विंडोज़ एक्सपी
- विशेषताएं
- नोटपेड
- वर्डपेड

विंडोज़ एक्सपी ऑपरेटिंग सिस्टम के विंडोज़ एनटी परिवार का नवीनतम संस्करण है। विंडोज़ एक्सपी व्यावसायिक उपयोक्ताओं के लिए डिजाइन किया गया है और विंडोज़ एक्सपी होम घर में इस्तेमाल करने वाले उपयोक्ताओं के लिए बनाया गया है।

### विंडोज़ एक्सपी की विशेषताएं

कुछ विशेषताओं की चर्चा नीचे की जा रही है :

**इंस्टाल यानी स्थापित और अपडेट यानी अद्यतन करने में आसान :**

विंडोज़ एक्सपी को इंस्टाल या स्थापित करने और अपडेट या अद्यतन रखना आसान बनाने के लिए इसमें कई विशेषताएं समाहित की गई हैं। इनमें शामिल हैं डायनामिक अपडेट और विंडोज़ अपडेटय फाइल्स और सेटिंग ट्रांसफर विजर्डय विभिन्न किस्म के कार्यों के लिए और विजर्डय डिवाइड ड्राइवर्स का ज्यादा व्यापक चयन बहुकार्य करने वाली डिवाइसों का सरल इंस्टालेशन और वापस विंडोज़ 98 और विंडोज़ मी में जाने के लिए प्रभावी अनइंस्टाल।

**डायनेमिक अपडेट और विंडोज़ अपडेट :**

जब आप विंडोज़ एक्सपी इंस्टाल करने जा रहे होंगे, तो जिस एक नई विशेषता पर ध्यान जाएगा, वह है डायनामिक अपडेट, जो डाउनलोड करते समय आपको नवीनतम पैकेज, पैकेजों और फिक्सेस इंस्टाल करने की पेशकश करता है और उन्हें इंस्टाल कर देता है ताकि विंडोज़ एक्सपी की आपकी प्रति अद्यतन या अप-टू-डेट हो जाए।

**अधिक आसान बनाने के लिए और विजर्ड्स :**

नेटवर्क ट्रांसफर विजर्ड में आपका स्वागत है, यह विंडोज़ नेटवर्क का कन्फिगरेशन और इंटरनेट कनेक्शन शेयरिंग और दो हार्डवेयर विजर्ड, एड हार्डवेयर विजर्ड तथा फाउंड न्यू हार्डवेयर विजर्ड, प्रभावी ढंग से प्रदान करता है।

**और अधिक डिवाइस ड्राइवर्स :**

और अधिक डिवाइस ड्राइवर्स के कारण विंडोज़ के दूसरे संस्करणों (विंडोज़ 98, विंडोज़ मी या विंडोज़ 2000) की तुलना में इस बात की बेहतर गुंजाइश है कि जब आप नई डिवाइस में लगाते या जोड़ते हैं, तो विंडोज़ एक्सपी ड्राइवर को अपने आप लोड करने और उससे सही ढंग से काम करवाने में सक्षम होगा। अन्यथा, अधिक लाभों के लिए, आप इन डिवाइसों को उचित ड्राइवर की मदद से इंस्टाल कर सकते हैं, जो डिवाइस के साथ ही आता है।

**फाइल्स ऐंड सेटिंग ट्रांसफर विजर्ड :**

फाइल्स ऐंड सेटिंग ट्रांसफर विजर्ड फाइलों और सेटिंग को एक कंप्यूटर से दूसरे कंप्यूटर में या एक ही कंप्यूटर पर विंडोज़ के एक इंस्टालेशन से दूसरे इंस्टालेशन में ट्रांसफर या स्थानांतरित करने के काम आता है, लेकिन इसके बाद भी आपको अपना पूरा प्रोग्राम नए कंप्यूटर पर दोबारा से इंस्टाल या रिइंस्टाल करने की जरूरत पड़ेगी।

**वापस विंडोज़ 98 और विंडोज़ मी में जाने के लिए प्रभावी अन-इंस्टाल :**

विंडोज़ एक्सपी में एक बहुत अच्छी विशेषता है, यह है प्रभावी अनइंस्टालेशन की सुविधा, इसके माध्यम से आप विंडोज़ एक्सपी को अनइंस्टाल करके या इससे पीछे लौटकर विंडोज़ 98, विंडोज़ 98 के दूसरे संस्करण और विंडोज़ मी के अपने पिछले इंस्टालेशन में वापस जा सकते हैं, लेकिन आप विंडोज़ एनटी और विंडोज़ 2000 से पीछे नहीं जा सकते।

### नया डिजाइन किया हुआ स्टार्ट मीनू :

विंडोज एक्सपी एक नए ढंग से डिजाइन किया हुआ स्टार्ट मीनू प्रदर्शित करता है, जो इस्तेमाल करने में आसान और तेज माना जाता है।

### आई कैंडी :

विंडोज एक्सपी में एक फीचर है जो आपके पिकचर या तस्वीरों को स्क्रीन सेवर स्लाइड शो के रूप में परिभाषित करता है। यह आई कैंडी या देखने में आकर्षक होने का प्रमुख उदाहरण है और यदि आपके कंप्यूटर हार्डवेयर में गर्म होने के बजाय ठंडा रहने की प्रवृत्ति है, तो यह आई कैंडी आपको प्रदर्शन की बिल्कुल अस्वीकार्य सजा की तरह लग सकता है।

### टास्कबार में बदलाव और एनहेंसमेंट या संवर्धन :

विंडोज एक्सपी में टास्कबार पर अनेक ऑप्शन या विकल्प मौजूद हैं, लेकिन आप टास्कबार के व्यवहार को वापस उसी रूप में बदल सकते हैं, जैसा वह विंडोज के पिछले संस्करण में था।

### विंडोज मीडिया प्लेयर वर्शन 8

विंडोज मीडिया प्लेयर वीडियो और डीवीडी प्लेयर, सीडी प्लेयर, एक इंटरनेट रेडियो ट्यूनर, और ज्यूकबॉक्स का सम्मिलन है, जिसका उपयोग डब्ल्यूएमए फाइल और एमपी3 फाइल जैसी फाइलों को प्ले करने और व्यवस्थित करने के लिए किया जाता है। सभी डाट या डीएटी फाइलें, जो विंडोज 98 पर नहीं चल रही थीं, विंडोज एक्सपी प्लेटफॉर्म पर आसानी से चलाई जा सकती हैं। विंडोज मीडिया प्लेयर विंडोज 98 के पिछले संस्करणों की तुलना में बहुत बड़ा सुधार है।

### विंडोज मूवी मेकर :

इन पैकेजों का इस्तेमाल वीडियो तैयार करने, वीडियो और ऑडियो को एडिट या संपादित करने, और विंडोज मीडिया फॉर्मेट में वीडियो फाइलें बनाने के लिए भी किया जाता है।

### सीडी बर्निंग :

सीडी बर्निंग की क्षमताएं विंडोज एक्सपी में आंतरिक रूप से निर्मित हैं। आप विंडोज एक्सप्लोरर से सीडी बना सकते हैं और विंडोज मीडिया प्लेयर से भी बना सकते हैं।

### कंप्रेस्ड फोल्डर :

कंप्रेस्ड फाइलें और फोल्डर विंडोज एक्सपी में आंतरिक रूप से निर्मित हैं। जिप करने के लिए आपको किसी सॉफ्टवेयर की आवश्यकता नहीं है – विनजिप 7 विंडोज एक्सपी में बाय डिफाल्ट मौजूद है।

**अधिक उपयोगी विनकी :** विनकी? विनकी क्या है? यह की बोर्ड पर विंडोज की की या बटन है – इस की या बटन पर विंडोज का लोगो बना होता है। यह आल्टर+कंट्रोल की के बगल में स्थित होती है।

### विनकी के कुछ संयोजन इस प्रकार हैं :-

विनकी + ब्रेक	सिस्टम की प्रॉपर्टीज या गुण प्रदर्शित करता है
विनकी + टैब	टास्कबार में कंट्रोल को अगले बटन पर स्थानांतरित कर देता है
विनकी + बी	ध्यान नोटिफिकेशन एरिया में स्थानांतरित कर देता है
विनकी + डी	डेस्कटॉप प्रदर्शित करता है
विनकी + ई	माय कंप्यूटर को दर्शाते हुए एक्सप्लोरर विंडो खोल देता या ओपन करता है
विनकी + एफ	सर्च रिजल्ट विंडो खोलता है, सर्च कंपैनियन को एक्टिवेट कर देता है
विनकी + एफ1	हेल्प ऐंड सपोर्ट या मदद और सहायता
विनकी + आर	रन डायलॉग बॉक्स को दर्शाता है
विनकी + यू	यूटिलिटी मैनेजर को दर्शाता है
विनकी + एल	कंप्यूटर को लॉक कर देता है

### इंटरनेट एक्सप्लोरर का नया वर्शन या संस्करण :

इंटरनेट एक्सप्लोरर वर्शन 6 विंडोज एक्सपी में शामिल किया गया है। नया मीडिया बार वर्शन 6 की तुलना में लगातार आ रहे ऑडियो को इंटरनेट एक्सप्लोरर में सुनना ज्यादा आसान बना देता है। इंटरनेट एक्सप्लोरर 6 में मैक्रोमीडिया प्लेश और शॉकवेव एनिमेशन और केसकेडिंग स्टाइल शीट्स लेवल 1 के लिए अंतर्निर्मित सपोर्ट है। इसका विशुद्ध परिणाम यह है कि किसी अतिरिक्त सॉफ्टवेयर की जरूरत के बगैर ज्यादा एनिमेशन प्ले होंगे।

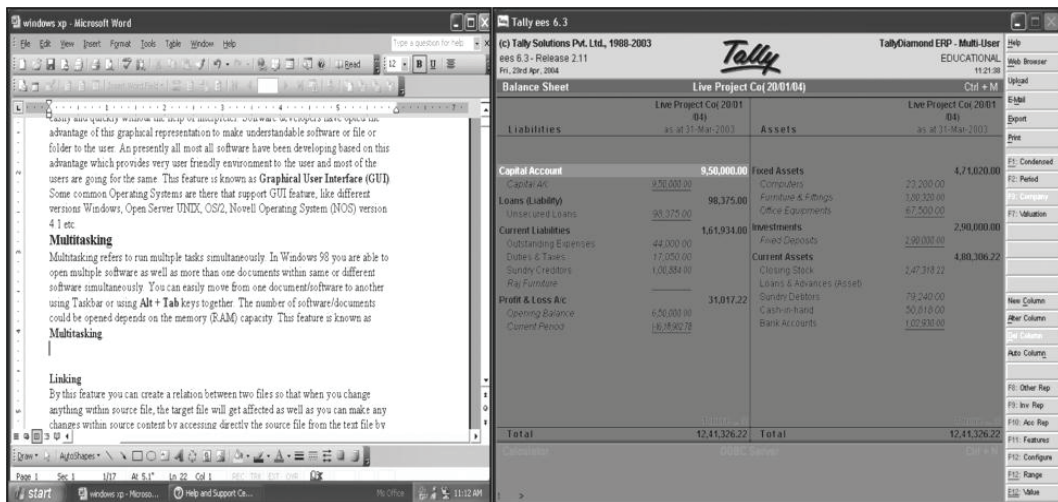
**एमएसएन एक्सप्लोरर :** विंडोज एक्सपी में एमएसएन एक्सप्लोरर शामिल है। यदि आपके पास के आईएसपी नहीं है, तब भी आप इंटरनेट से जुड़ना चाह सकते हैं।

### ग्राफिकल यूजर इंटरफेस (जीयूआई)

आजकल आपको हर जगह होर्डिंग, बैनर, पार्किंग निर्देश, यातायात संकेत आदि के चित्रात्मक रूप देखने को मिलते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि चित्रात्मक रूप भाषा से स्वतंत्र होते हैं जिससे कोई भी व्यक्ति किसी समझाने वाले व्यक्ति की मदद के बगैर बात को बहुत आसानी से और तेजी से समझ सकता है। सॉफ्टवेयर डेवलरों ने सॉफ्टवेयर या फाइल या फोल्डर को उपयोगकर्ता को समझ में आने लायक बनाने के लिए इसी चित्रात्मक या ग्राफिकल रूप के फायदों का विकल्प चुना है। वर्तमान में तकरीबन सभी सॉफ्टवेयर इस लाभ के आधार पर विकसित किए गए हैं, जो उपयोगकर्ता को अत्यधिक यूजर फ्रेंडली या अनुकूल और सुविधाजनक वातावरण प्रदान करते हैं और ज्यादातर उपयोगकर्ता भी इसे अपना रहे हैं। इस फीचर को ग्राफिकल यूजर इंटरफेस (जीयूआई) कहा जाता है। कुछ सामान्य ऑपरेटिंग सिस्टम हैं जो जीयूआई फीचर को सपोर्ट करते हैं, जैसे विंडोज के विभिन्न संस्करण, ओपन सर्वर यूनिक्स, ओएस /2, नोवेल ऑपरेटिंग सिस्टम (एनओएस) वर्शन 4.1 इत्यादि।

### मल्टी टास्किंग (अर्थात बहुत सारे कार्य एक साथ)

मल्टीटास्किंग का अर्थ है बहुत सारे कार्य एक साथ करना। विंडोज एक्सपी में आप कई सॉफ्टवेयर और साथ ही उसी या भिन्न सॉफ्टवेयर में एक से ज्यादा डॉक्यूमेंट एक साथ एक ही समय पर खोल पाते हैं। आप टास्कबार का इस्तेमाल करके या ऑल्टरटैब का इस्तेमाल करके एक डॉक्यूमेंट/सॉफ्टवेयर से दूसरे पर जा सकते हैं। खोले जा सकने वाले सॉफ्टवेयर/डॉक्यूमेंट की संख्या मेमोरी (रैम) क्षमता पर निर्भर करती है।



### लिंकिंग या जोड़ना

इस फीचर के द्वारा आप दो फाइलों के बीच में एक संबंध कायम कर सकते हैं, जिससे जब आप स्रोत फाइल के भीतर कोई भी परिवर्तन करते हैं तो टारगेट या लक्षित फाइल भी प्रभावित होती है और इसके साथ ही आप स्रोत कंटेंट या सामग्री में परिवर्तन कर सकते हैं, जिसके लिए आपको लक्षित क्षेत्र पर दो बार क्लिक करके उस टेक्स्ट फाइल से सीधे स्रोत फाइल पर जाना होगा। स्रोत फाइल खुल जाएगी जो भी परिवर्तन आप करना कर रहे हैं, उन्हें मूल स्रोत फाइल में सेव करना चाहिए, जिसका परिणाम लक्षित फाइल में निरपवाद रूप से आ जाएगा।

### एमबेडिंग या अंतःस्थापित करना

जैसा कि इस शब्द से ही पता चलता है, इस फीचर का इस्तेमाल करके आप टेक्स्ट डॉक्यूमेंट के भीतर एक लक्ष्य या ऑब्जेक्ट को कॉपी या प्रतिलिपि कर सकते हैं। लेकिन मूल स्रोत फाइल से ऐसा कोई संबंध नहीं होगा। इस प्रकार जब आप स्रोत फाइल के भीतर कोई परिवर्तन करते हैं, तो वह लक्षित फाइल में प्रतिबिंबित नहीं होगा।

#### प्लग 'एन' प्ले

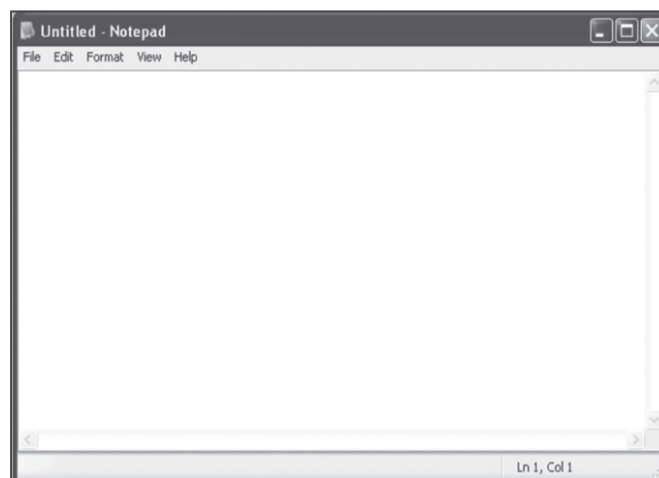
यह फीचर विंडोज एक्सपी की ड्राइव लिस्ट से सही डिवाइस प्रदान करके किसी भी नई हार्डवेयर डिवाइस को एक्टिवेट करने में आपकी मदद करता है। यदि उसके अनुरूप डिवाइस ड्राइवर विंडोज एक्सपी में उपलब्ध नहीं है, तो ऑपरेटिंग सिस्टम स्वयं तत्परतापूर्वक डिवाइस को रन करने या चलाने के लिए उसके अनुरूप डिवाइस ड्राइवर देने का मेसेज आपको देगा। विंडोज एक्सपी की इस अनूठी प्रक्रिया को प्लग 'एन' प्ले के रूप में जाना जाता है। इस प्रक्रिया को रन करने के लिए हार्डवेयर अवयव को अटैच करें और पीसी को ऑन कर दें। ऑपरेटिंग सिस्टम प्लग 'एन' प्ले प्रोग्राम के माध्यम से तत्काल नए अटैचमेंट चेक करेगा। यदि विंडोज एक्सपी हार्डवेयर को चलाने के लिए डिवाइस ड्राइवर प्रदान करने में असमर्थ है, तो आपको यह डिवाइस ड्राइवर बाहर से प्रदान करना होगा, ऐसा आप या तो सीडी या फ्लॉपी का इस्तेमाल करके कर सकते हैं जो आपको डिवाइस खरीदते वक्त विक्रेता द्वारा दी जाएगी। यदि आपका पीसी वर्किंग मोड या काम करने की अवस्था में है, तो आप कोई भी नई डिवाइस इसके साथ अटैच कर सकते या कोई भी मौजूदा डिवाइस को नई डिवाइस से बदल सकते हैं, अटैचमेंट के बाद जल्दी ही यह प्लग 'एन' प्ले फीचर तत्काल स्टार्ट हो जाएगा। लेकिन इस प्रकार का अटैचमेंट कंप्यूटर के लिए अत्यधिक जोखिमपूर्ण है। कंप्यूटर को कोई भी भाग क्रैश यानी खराब हो सकता है। यही बेहतर है कि अटैचमेंट की इस विधि से बचा जाए।

टेक्स्ट और डिजाइन के उद्देश्य से विंडोज हमें नीचे लिखे एप्लीकेशन प्रदान करता है :

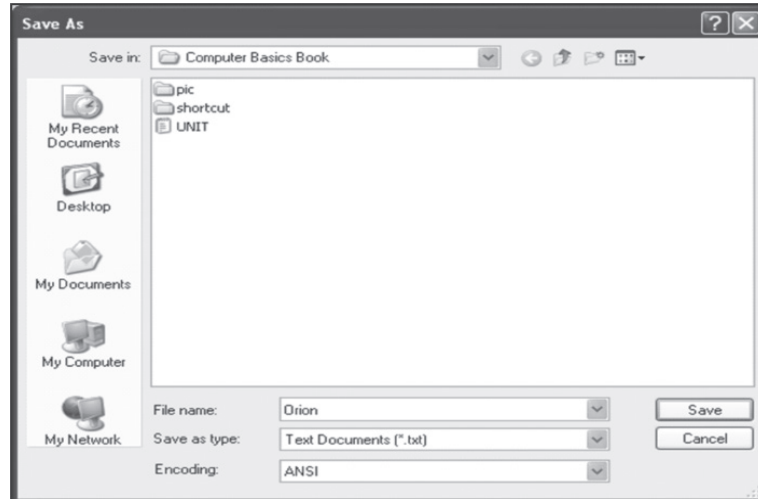
1. **नोटपेड** (सरल लेखन के लिए प्रयुक्त)
2. **वर्डपेड** (छोटे डॉक्यूमेंट के लिए प्रयुक्त)
3. **पेंट** (पेंटिंग के लिए प्रयुक्त)

#### नोटपेड

नोटपेड विंडोज एक्सपी का डिफाल्ट वर्ड प्रोसेसर है। यह सॉफ्टवेयर विंडोज एक्सपी को इंस्टाल करने के बाद उपलब्ध होगा। नोटपेड टेक्स्ट को रखने के लिए इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन यह किसी भी एडवांस या उन्नत टेक्स्ट फॉर्मेटिंग को सपोर्ट नहीं करता। नोटपेड द्वारा बनाई जाने वाली फाइलों को टेक्स्ट फाइल के नाम से जाना जाता है। नोटपेड फाइल का डिफाल्ट एक्सटेंशन या विस्तार है **.टीएक्सटी**। नोटपेड खोलने के लिए स्टार्ट मीनू में जाएं>प्रोग्राम्स >एस्सेरीज>नोटपेड। निम्न विंडो प्रकट होगी :



इस विंडो में टाइटल बार, मीनू बार, स्क्रॉल बार्स और टेक्स्ट रखने वाला भाग होता है। टेक्स्ट को फॉर्मेट करने के लिए एडिट मीनू को चुनें और वहां से सेट फॉन्ट ऑप्शन पर जाएं। यहां आप केवल फॉन्ट का रूप, फॉन्ट का आकार और फॉन्ट की स्टाइल बदल पाएंगे। नोटपेड किसी रूलर को सपोर्ट नहीं करता, क्योंकि इसमें टेक्स्ट रैपिंग की कोई अवधारणा नहीं है। यदि आप कोई कंटेंट नई पंक्ति से लिखना चाहते हैं, तो आपको एंटर की दबानी होती है। फाइल को सेव करने के लिए फाइल पर जाएं>सेव दबाएं>फाइल का नाम दें>सेव कर दें।

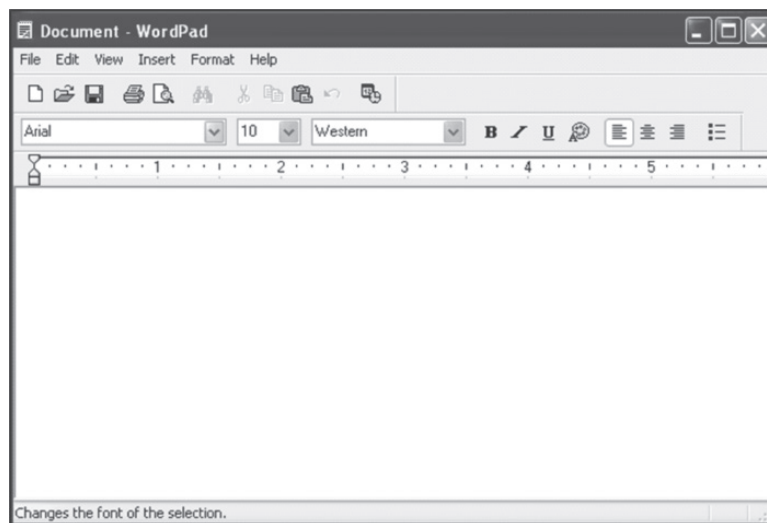


### नोटपेड के फायदे

यदि एमएस ऑफिस आपकी मशीन में इंस्टाल नहीं है और यदि आप कोई महत्वपूर्ण टेक्स्ट भविष्य के संदर्भ के लिए रखना चाहते हैं, तो उसके लिए आप नोटपेड का इस्तेमाल कर सकते हैं। इस प्रकार की फाइल एमएस-डॉस से भी खोली जा सकती है और आप सीधे फाइल के भीतर बदलाव कर सकते हैं।

### वर्डपेड

वर्डपेड छोटे दस्तावेजों या डॉक्यूमेंट के लिए टेक्स्ट एडिटर है। यह विंडोज का डिफाल्ट वर्ड प्रोसेसर है। विंडोज एक्सपी को इंस्टाल करने के बाद यह सॉफ्टवेयर उपलब्ध हो जाएगा। यह सामान्यतः टेक्स्ट सामग्री को एक डॉक्यूमेंट के भीतर रखने के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जिसमें टेक्स्ट का रूपांतरण, फॉर्मेटिंग और प्रिंटिंग भी संभव है। वर्डपेड का एक्सटेंशन या विस्तार है **.आरटिएफ**। वर्डपेड खोलने के लिए स्टार्ट मीनू में जाएं>प्रोग्राम्स>एस्सेसरीज>वर्डपेड। निम्न विंडो प्रकट होगी :



## वर्डपेड के हिस्से या अवयव

1. टाइटल बार (Title Bar)
2. मीनू बार (Menu Bar)
3. स्टैंडर्ड टूलबार (Standard Toolbar)
4. फॉर्मेटिंग टूलबार (Formatting Toolbar)
5. रूलर (Ruler)
6. डॉक्यूमेंट एरिया या दस्तावेज का क्षेत्र (Document Area)
7. स्टेटस बार (Status Bar)

## वर्डपेड में कार्य करना

वर्डपेड को लोड करने के बाद आपको एक खाली डॉक्यूमेंट मिलेगा। डॉक्यूमेंट एरिया के बिल्कुल प्रारंभ में एक झपकती हुई खड़ी या ऊर्ध्व रेखा प्रकट होगी, जिसे कर्सर के रूप में जाना जाता है। यह उस वर्तमान स्थिति को दर्शाता है जहां से टेक्स्ट प्रविष्ट होगा। यहां आप टेक्स्ट को कीबोर्ड से टाइप करके रखते हैं। किसी टेक्स्ट सामग्री को फॉर्मेट करने के लिए माउस को घसीटते हुए कंटेंट को सेलेक्ट कर लें और फिर या तो फॉर्मेटिंग टूलबार पर जाएं या फॉर्मेट मीनू पर जाएं। मीनू में दिए गए ज्यादातर विकल्प उसी के समान हैं जो पेंट में परिभाषित किए गए हैं, लेकिन कुछ नए मीनू प्रारंभ किए गए हैं, वे हैं इनसर्ट और फॉर्मेट मीनू।

## सार—संक्षेप

- सीडी बर्निंग क्षमताएं विंडोज एक्सपी में अंतःनिर्मित होती हैं। आप विंडोज एक्सप्लोरर से एक सीडी बना सकते हैं और विंडोज मीडिया प्लेयर से भी बना सकते हैं।
- यह फीचर विंडोज एक्सपी की ड्राइव लिस्ट से सही डिवाइस प्रदान करके किसी भी नई हार्डवेयर डिवाइस को एक्टिव करने में मदद करता है। यदि उसके अनुरूप डिवाइस ड्राइवर विंडोज एक्सपी में उपलब्ध नहीं है, तो ऑपरेटिंग सिस्टम स्वयं तत्परतापूर्वक डिवाइस को रन करने या चलाने के लिए उसके अनुरूप डिवाइस ड्राइवर देने का मेसेज या संदेश देगा।
- नोटपेड का विस्तार .टीएक्सटी और वर्डपेड का विस्तार .डब्ल्यूआरआई है।

## करने के लिए कार्य

1. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दें :
  - i) विंडोज एक्सपी क्या है?
  - ii) मल्टीटास्किंग से आपका क्या अभिप्राय है?
  - iii) एम्बेडिंग से आपका क्या अभिप्राय है?
  - iv) लिंकिंग से आपका क्या अभिप्राय है?
  - v) प्लग 'एन' प्ले से आपका क्या अभिप्राय है?
2. नोटपेड अथवा वर्डपेड उघडा आणि खालील गोष्टी टाईप करा. (कमीत कमी 3 मिनिटे) आणि तुमच्या नावाने फाईल सेव्ह करा:

QWERTYUIOPASDFGHJKLZXCVBNM  
 Qwertyulopasdfghjklzxcvbnm  
 AbCdEfGhIjKlMnOpQrStUvWxYz  
 1234567890  
 123 456 789 / \* - . + (using numeric keyboard)  
 @!~#\$%^&\* ( ) - = \_ + / . , ' ; \ [ ] ? > < " : | { }



3. विंडोज एक्सपी किस प्रकार का ऑपरेटिंग सिस्टम है?
4. विन एक्सपी में आप फाइलों को स्थायी रूप से कैसे डिलिट करते या मिटाते हैं?
5. डेस्कटॉप में मौजूद अवयव कौन-कौन-से हैं?
6. हम आइकन का इस्तेमाल क्यों करते हैं?
7. शॉर्टकट का क्या कार्य है?
8. रिसाइकल बिन के कार्य लिखिए।
9. विभिन्न प्रकार की सर्च या खोज प्रक्रियाओं का वर्णन करें।
10. विभिन्न प्रकार के व्यूज का उल्लेख करें।

## अध्याय 3

### विंडोज एक्सपी

उद्देश्य :

- एमएस पेंट

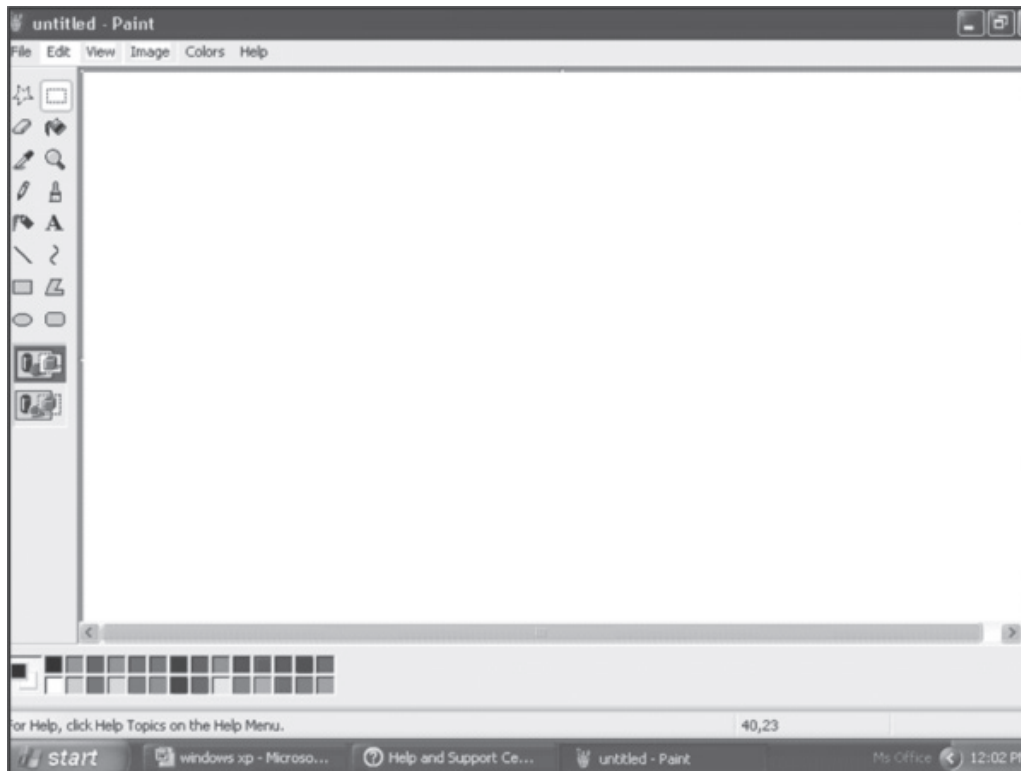
### एमएस पेंट

एमएस-पेंट पिक्चरों/लक्ष्यों को पेंट करने में उपयोगकर्ता की मदद करता है। पेंट का उपयोग करते हुए आप पिक्चरों या चित्रों को बना सकते, एडिट कर सकते और देख सकते हैं। आप पिक्चर को अपने द्वारा बनाए गए दूसरे डॉक्यूमेंट में पेस्ट कर सकते हैं या अपने डेस्कटॉप के बैकग्राउंड के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। आप स्कैन किए गए फोटो को भी देखने और एडिट करने के लिए भी पेंट का इस्तेमाल कर सकते हैं।

### पेंट स्टार्ट करें

स्टार्ट मीनू>ऑल प्रोग्राम्स>एक्सेसरीज पेंट, पेंट विंडो प्रकट होगी।





## टूलबॉक्स के टूल्स

### फ्री-फॉर्म सेलेक्शन

पिक्चर के नॉन-यूनिफॉर्म यानी गैर-समरूप हिस्से को सेलेक्ट करने के लिए इस टूल को एक्टिवेट करें और फिर पॉइंटर को उस क्षेत्र के चारों तरफ घसीटें या ड्रैग करें। आप सेलेक्शन बॉक्स को बॉक्स के बाहर क्लिक करें हटा सकते हैं।

### सेलेक्शन

यूनिफॉर्म या समरूप हिस्से को सेलेक्ट करने के लिए इस टूल का इस्तेमाल करें। टूल को सेलेक्ट करें और ड्राइंग के क्षेत्र को सेलेक्ट करने के लिए एक कोने से दूसरे कोने तक ड्रैग करें या घसीटें।

### इरेजर/कलर इरेजर

ड्राइंग या चित्र के एक भाग को मिटाने के लिए इरेजर टूल का इस्तेमाल करें। टूलबॉक्स के आधारतल में एक इरेजर शेप पर क्लिक करें। पॉइंटर को उस हिस्से पर घसीटकर लाएं जिसे आप इरेज करना मिटाना चाहते हैं। सेलेक्ट किया हुआ बैकग्राउंड कलर दर्शाता है कि किसी रंग को इरेजर छोड़ देगा। आप कलर बॉक्स में दूसरे कलर पर राइट-क्लिक करके बैकग्राउंड या पृष्ठभूमि के रंग को बदल सकते हैं। आप फोरग्राउंड या अग्रभाग के रंग को उस रंग में बदलकर जिसे आप बदलना चाहते हैं और बैकग्राउंड या पृष्ठभूमि के रंग को उस रंग में बदलकर जिसे आप इसकी जगह लाना चाहते हैं, आप एक विशिष्ट रंग भी बदल सकते हैं। फिर जब आप इरेजर पर क्लिक करते हैं, आप रंग बदलने के लिए राइट-क्लिक कर सकते हैं। आप तीन परिवर्तनों को अनडू या अनकिया कर सकते हैं और इसके लिए आपको प्रत्येक परिवर्तन के लिए एडिट मीनू से अनडू पर क्लिक करना होगा।

## फिल विद कलर

किसी एक हिस्से या लक्ष्य को रंगों से भरने के लिए इस टूल का इस्तेमाल करें। माउस के पॉइंटर को लक्ष्य के क्षेत्र के भीतर ले जाएं, मौजूदा फोरग्राउंड या अग्रभूमि का रंग को भरने के लिए बाएं बटन का इस्तेमाल करें और पृष्ठभूमि का रंग भरने के लिए दाएं बटन का इस्तेमाल करें। जिसे शेप या आकार में रंग भरा जा रहा है, उसके सीमाएं कहीं भी टूटी हुई होंगी, तो भरा जा रहा रंग रिसकर ड्राइंग के बाकी हिस्सों में फैल जाएगा। आप रिसाव के ऐसे रास्तों को बंद कर सकते हैं, इसके लिए व्यू मीनू पर क्लिक करें, जूम की ओर पॉइंट करें और फिर लार्ज साइज या कस्टम पर क्लिक करें। डिफाल्ट बैकग्राउंड और फोरग्राउंड कलर्स कलर बॉक्स में बाईं ओर प्रदर्शित होते हैं।

## आई ड्रॉपर

किसी एक हिस्से या लक्ष्य से कलर को दूसरे हिस्से या लक्ष्य पर कॉपी करने के लिए आई ड्रॉपर का इस्तेमाल करें। फोरग्राउंड के रंग को उठाने के लिए बाएं बटन पर और बैकग्राउंड के रंग को उठाने के लिए दाएं बटन पर क्लिक करें।

## जूम

इस टूल का इस्तेमाल करके आप एडिटिंग करने के उद्देश्य से ड्राइंग के किसी भी भाग का व्यू बदल सकते हैं। इसे 800 प्रतिशत तक मैक्सिमाइज किया जा सकता है। टूल बॉक्स के आधारतल या बॉटम में विभिन्न जूमिंग प्रतिशतों को सूची प्रकट होगी, जैसे 1x, 2x, 6x, 8x जिसका अर्थ क्रमशः 100 प्रतिशत, 200 प्रतिशत, 600 प्रतिशत, 800 प्रतिशत है।

## पेंसिल

फ्री-फॉर्म या रूपाकार से मुक्त लाइन खींचने के लिए इस टूल को सेलेक्ट करें और लाइन खींचने के लिए इसे ड्रैग करें या घसीटें। फोरग्राउंड और बैकग्राउंड के रंगों में ड्रा करने या चित्र बनाने के लिए आप बाएं और दाएं बटनों का इस्तेमाल कर सकते हैं।

## ब्रश

कोई भी मुक्तहस्त ड्राइंग बनाने के लिए इस टूल का इस्तेमाल करें। इसमें आपके लिए यह सुविधा भी मौजूद है कि आप कैलिग्राफी ड्राइंग के लिए ब्रश की मोटाई और साथ ही ब्रश का आकार बदल सकते हैं। इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए स्मॉल बॉक्स से ब्रश के शेप और साइज को सेलेक्ट करें, जो टूलबॉक्स के आधारतल या बॉटम एरिया में दिखाई देते हैं। कोई भी चित्र बनाने के लिए इस टूल को सेलेक्ट करें और जरूरत के अनुसार माउस पॉइंटर को ड्रैग करें या घसीटें।

## एयर ब्रश

स्प्रै प्रिंटिंग के लिए इस टूल का इस्तेमाल करें। आप टूल बॉक्स के निचले हिस्से में साइज बॉक्स से सही साइज या आकार सेलेक्ट करके स्प्रै का आकार भी बदल सकते हैं। लार्ज साइज रंग का न्यूनतम घनत्व देता है और स्मॉल साइज ज्यादा घनत्व देता है। स्प्रै करने के लिए पॉइंटर को ड्रैग करें। फोरग्राउंड और बैकग्राउंड के रंग प्राप्त करने के लिए बाएं और दाएं बटनों का इस्तेमाल कर सकते हैं।

## टेक्स्ट

टेक्स्ट या शब्द सामग्री टाइप और फॉर्मेट करने के लिए इस टूल का इस्तेमाल करें। टूल को सेलेक्ट करें और टेक्स्ट का फ्रेम बनाने के लिए ड्रैग करें। अपने मनचाहे आकार के लिए पॉइंटर को तिरछा ड्रैग करें। टेक्स्ट को फॉर्मेट करने के लिए स्क्रीन पर तत्काल टेक्स्ट टूलबार प्रकट होगा। यदि किसी भी कारण यह उपलब्ध नहीं होता है, तो इसे एक्टिवेट करने के लिए व्यू मीनू में जाएं और फिर टेक्स्ट टूलबार पर क्लिक करें। टेक्स्ट टूलबार में फॉन्ट के विकल्प होते हैं, जिन्हें आप सेलेक्ट किए हुए टेक्स्ट को मनचाहा आकार, स्टाइल और रंग आदि देने के लिए प्रयुक्त कर सकते हैं। टेक्स्ट फ्रेम के भीतर क्लिक करें, टेक्स्ट टाइप करें और फिर यदि आवश्यकता हो तो उसे फॉर्मेट करें। हालांकि जब आप टेक्स्ट टूल सेलेक्ट करते हैं, तब आप केवल टेक्स्ट पेस्ट कर सकते हैं। आप ग्राफिक्स पेस्ट नहीं कर सकते।

## लाइन

सीधी रेखा या लाइन खींचने के लिए आप इस टूल का इस्तेमाल कर सकते हैं। बिना टूटी हुई क्षैतिज या आड़ी, ऊर्ध्व या लंबी खड़ी या 45 डिग्री झुकी हुई तिरछी लाइन खींचने के शिफ्ट की दबाकर रखते हुए माउस के पॉइंटर को ड्रैग करें। यदि आपको जरूरत हो तो आप लाइन की मोटाई को भी बदल सकते हैं।

## कर्व

कर्व टूल का इस्तेमाल एक वक्र रेखा या घुमावदार लाइन खींचने के लिए किया जाता है। टेढ़ी या घुमावदार रेखा खींचने के लिए पहले एक सीधी रेखा खींचें और फिर घुमाव या चाप बनाने के लिए माउस पॉइंटर को किसी भी दिशा में दो बार घसीटें। प्रत्येक वक्र में कम से कम एक घुमाव होना चाहिए लेकिन दो से अधिक घुमाव नहीं होने चाहिए।

## रेक्टेंगल

इस टूल का इस्तेमाल आयताकार या वर्गाकार आकृति बनाने के लिए किया जाता है। आयताकार आकृति बनाने के लिए टूल को सेलेक्ट करें और तिरछा ड्रैग करें। वर्गाकार आकृति बनाने के लिए शिफ्ट की को दबाए रखते हुए माउस पॉइंटर को ड्रैग करें। आप आयत और वर्ग की सीमा रेखा की मोटाई बदल सकते हैं और आकृति बनाने के लिए किसी भी स्टाइल का विकल्प चुन सकते हैं, जैसे केवल आउटलाइन के लिए आउटलाइन के साथ फिल करें या केवल फिल करें। मोटाई को बदलने के लिए लाइन या कर्व टूल चुनें, फिर ड्राईंग में समान मोटाई लाने के लिए रेक्टेंगल को सेलेक्ट करें। अग्रभूमि और पृष्ठभूमि के रंगों का इस्तेमाल करने के लिए आप बाएं और दाएं बटनों का इस्तेमाल कर सकते हैं।

## पोलीगोन

दो से अधिक पक्षों या भुजाओं वाली बंद आकृति बनाने के लिए इस टूल का इस्तेमाल किया जाता है। बहुभुजी आकृति बनाने के लिए पॉइंटर को ड्रैग करें और प्रत्येक कोने पर क्लिक करें, फिर जब बन जाए तो दोबारा या डबल-क्लिक करें। केवल 45 डिग्री या 90 डिग्री के कोणों का इस्तेमाल करने के लिए ड्रैग करते समय शिफ्ट की को दबाएं रखें। टूलबॉक्स के आधारतल में फिल स्टाइल पर क्लिक करके आप रंग से भरा हुआ बहुभुज भी बना सकते हैं।

## एलिप्स

इस टूल का इस्तेमाल करते हुए आप अंडाकार वृत्त या गोल घेरा बना सकते हैं। टूल को सेलेक्ट करें और पॉइंटर को तिरछा ड्रैग करें। पूर्ण गोल घेरा बनाने के लिए ड्रैग करते समय शिफ्ट को दबाए रखें। टूलबॉक्स के आधारतल में फिल स्टाइल पर क्लिक करके आप रंग से भरा हुआ अंडाकार वृत्त या गोल घेरा बना सकते हैं। रेखा या लाइन के रंग को बदलने के लिए कलर बॉक्स में एक नए कलर या रंग पर क्लिक करें, या फिल कलर अथवा भरा हुए रंग को बदलने के लिए एक नए रंग पर राइट-क्लिक करें।

## राउंडेड रेक्टेंगल

गोल मुड़े हुए कोनों वाली आयताकार आकृति बनाने के लिए इस टूल का रेक्टेंगल टूल के समान ही इस्तेमाल करें। यह विशेष रूप से आयत को गोल कोने प्रदान करता है।

## मीनू

पेंट या पेंटब्रश एक पेंट फाइल में तरह-तरह के काम करने के लिए विभिन्न मीनू विकल्प या ऑप्शन प्रदान करता है। विभिन्न मीनू को उनके कार्य के क्षेत्र के आधार पर वर्गीकृत किया गया है। फाइल में विभिन्न काम करने के लिए आपको फाइल मीनू दिया गया है, इसी प्रकार कोई ड्राईंग के कार्य के लिए आपको एडिट मीनू आदि में कार्य करना होता है। यह कुल मिलाकर छह मीनू प्रदान करता है, जैसे फाइल, एडिट, व्यू, इमेज, कलर्स और हेल्प।

**फाइल मीनू** (इस मीनू में फाइल के विभिन्न कार्यों के विकल्प होते हैं।)

#### **New (न्यू)**

पेंट में नई फाइल बनाने के लिए इस विकल्प का इस्तेमाल किया जाता है। यदि आप किसी फाइल में काम कर रहे हैं और आपने इस विकल्प को चुना है, तो फाइल के सेव नहीं होने पर यह फौरन पूछेगा कि मौजूदा फाइल में किए गए बदलावों को सेव करना चाहते हैं या नहीं, यदि फाइल सेव है तो यह सीधी नई फाइल खोल देगा। इस विकल्प का इस्तेमाल करने के लिए शॉर्टकट है **कंट्रोल + एन**।

#### **Open (ओपन)**

पेंट की किसी भी मौजूदा फाइल को खोलने के लिए इस विकल्प का इस्तेमाल किया जाता है। यदि आप किसी भी फाइल पर काम कर रहे हैं, तो आवश्यक फाइल खोलने से पहले यह पूछेगा कि क्या आप मौजूदा रूपांतरणों को सेव करना चाहते हैं या नहीं और पुष्टि प्राप्त करने के बाद यह खुली हुई मौजूदा फाइल को बंद कर देगा और आवश्यक फाइल को खोल देगा। इस विकल्प के लिए शॉर्टकट है **कंट्रोल + ओ**।

#### **Save (सेव)**

किसी भी फाइल को हार्ड डिस्क, फ्लॉपी डिस्क या कॉम्पैक्ट डिस्क में स्थायी रूप से सेव करने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है। यदि आप फाइल को पहली बार सेव कर रहे हैं, सेव एज डायलॉग बॉक्स सामने आएगा, जो फाइल का नाम पूछेगा। लेकिन यदि फाइल किसी नाम से पहले से ही सेव है, तो यह दूसरे नाम के लिए नहीं पूछ सकता, नवीनतम रूपांतरण पिछले नाम वाली फाइल में सेव हो जाएंगे। पेंट फाइल का डिफॉल्ट एक्सटेंशन या डिफॉल्ट विस्तार बीएमपी है, जो फाइल के नाम के साथ अपने आप जुड़ जाएगा। इस विकल्प के लिए शॉर्टकट है **कंट्रोल + एस**।

#### **Save As (सेव एज)**

एक नई फाइल को सेव करने के लिए या एक मौजूदा फाइल को नए नाम से सेव करने के लिए इस विकल्प का इस्तेमाल किया जाता है। एक मौजूदा फाइल में किए गए रूपांतरणों को एक नए नाम से सेव करने के लिए इस विकल्प का इस्तेमाल करें, जो आपको एक नया नाम देने देगा।

#### **Print Preview (प्रिंट प्रीव्यू)**

यह विकल्प प्रिंटिंग का पूर्व व्यू प्रदान करता है ताकि आप देख सकें कि प्रिंटर से निकलने वाला अंतिम परिणाम क्या होगा।

#### **Page Setup (पेज सेटअप)**

इस विकल्प का इस्तेमाल करके आप डॉक्यूमेंट का पेपर साइज या दस्तावेज के कागज का आकार निर्धारित कर सकते हैं, ओरिएंटेशन या अभिविन्यास और साथ ही मार्जिन या हाशिये भी यहां से निर्धारित किए जा सकते हैं, ताकि विषय सामग्री को दस्तावेज पर सही व्यवस्था में रखा जा सके और साथ ही इस सेट की गई व्यवस्था के अनुसार प्रिंटआउट भी सही निकले।

#### **Print (प्रिंट)**

यह विकल्प प्रिंटर के माध्यम से मौजूदा खुले हुए दस्तावेज या डॉक्यूमेंट की कागज पर हार्ड कॉपी या प्रिंटआउट या छपी हुई प्रतिलिपि प्रदान करता है। यह आपको एक प्रिंट डायलॉग बॉक्स प्रदान करेगा, जिसमें आपको सही प्रिंटर का नाम, मुद्रित की जाने वाली प्रतिलिपियों की संख्या, पेज या पन्नों का क्रम यानी कितने से कितने तक पेज प्रिंट करने हैं, प्रिंटर के लिए पेपर या कागज की सेटिंग आदि को सेलेक्ट करना होगा। इस डायलॉग बॉक्स को स्क्रीन पर लाने के लिए शॉर्टकट है **कंट्रोल + पी**।

#### **Exit (एक्जिट)**

यह विकल्प पेंट को बंद करने की अनुमति देता है। यदि आप किसी फाइल पर काम कर रहे हैं और इस विकल्प को क्लिक करते हैं, तो यह सेव करने की पुष्टि के लिए पूछेगा और यदि आप "यस" या हां कहते हैं, तो यह पेंट को अंततः बंद कर देता है। इस विकल्प को स्क्रीन पर लाने के लिए शॉर्टकट है **ऑल्टर + एफ4**।

## Edit menu (एडिट मीनू)

ड्राईंग या आकृति में बदलाव करने के लिए इस मीनू में कई विकल्प होते हैं।

### Undo (अनडू)

यह विशेषता उपयोगकर्ता को अंतिम किए गए कार्य अथवा कार्यों को निरस्त या कैंसिल या अनकिया करने की इजाजत देती है। इसका शॉर्टकट है **कंट्रोल + जेड**।

### Repeat (रिपीट)

यह विकल्प आपको अनडू या अनकिया किए गए कार्यों को निरस्त करने में मदद करता है, यानी यदि आपने कोई किया हुआ कार्य निरस्त कर दिया है और उसके फौरन बाद आप दस्तावेज या डॉक्यूमेंट में निरस्त किए गए प्रभाव को निरस्त करना चाहते हैं, तो आपको मौजूदा निरस्तीकरण को निरस्त करने के लिए रिपीट कमांड का इस्तेमाल करना पड़ता है। यह पूर्णतः अनडू विकल्प पर निर्भर करता है, यदि आपने अनडू विकल्प का दो बार सफलतापूर्वक इस्तेमाल कर लिया है, तो रिपीट विकल्प भी दो बार इस्तेमाल किया जा सकता है। इस विकल्प के लिए शॉर्टकट है **एफ4**।

### Cut (कट)

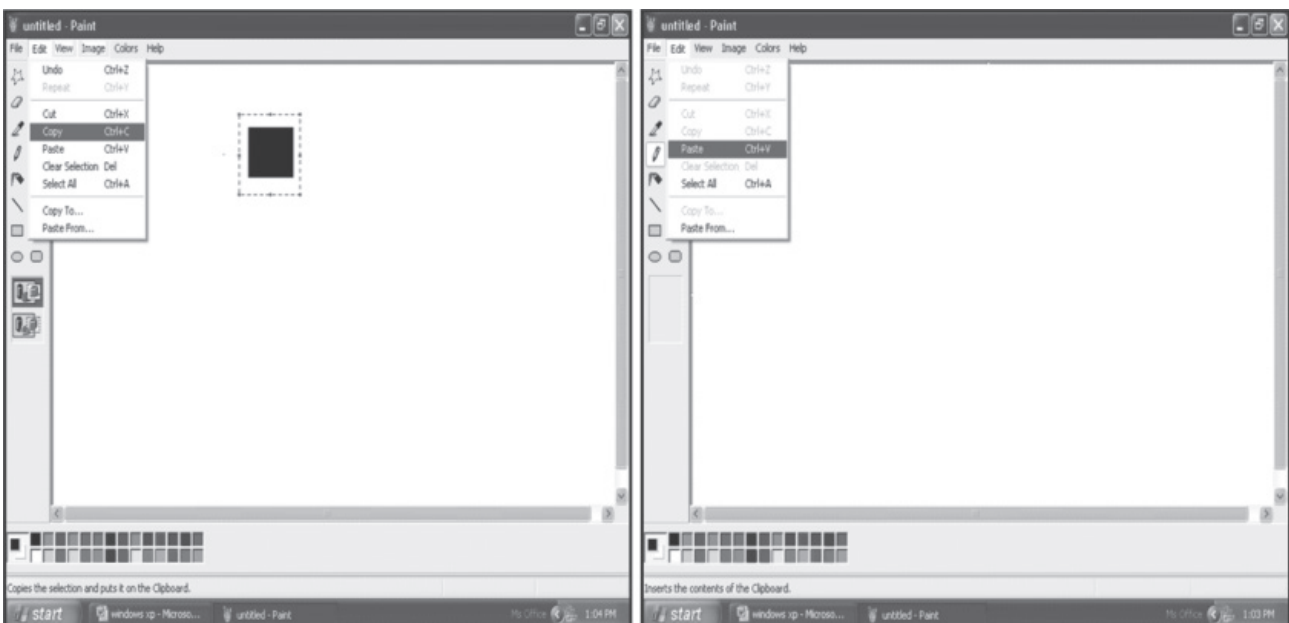
ड्राईंग या आकृति के किसी भी सेलेक्ट किए हुए या चुने हुए हिस्से को हटाने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है। इस विकल्प का शॉर्टकट है **कंट्रोल + एक्स**।

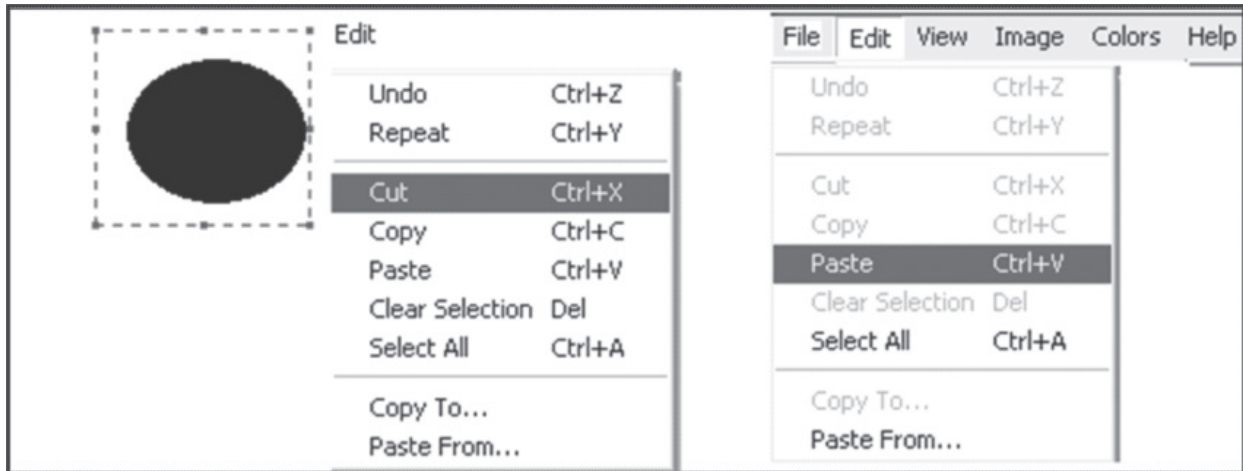
### Copy (कॉपी)

इसका इस्तेमाल ड्राईंग एरिया या आकृति के क्षेत्र से सेलेक्ट किए हुए हिस्से को क्लिपबोर्ड पर भेजने के लिए किया जाता है। शॉर्टकट है **कंट्रोल + सी**।

### Paste (पेस्ट)

क्लिपबोर्ड की विषय सामग्री को डॉक्यूमेंट के क्षेत्र में वापस लाने के लिए इस विकल्प का इस्तेमाल किया जाता है। जब भी आप कट या कॉपी विकल्पों का इस्तेमाल करते हुए किसी भी सामग्री को क्लिपबोर्ड पर भेजते हैं, तो यह केवल नवीनतम विषय सामग्री को ही रखता है और पिछली विषय सामग्री को मिटाकर ऊपर नवीनतम विषय सामग्री लिख ली जाएगी। इस विकल्प के लिए शॉर्टकट है **कंट्रोल + वी**।





### Clear Selection (क्लीयर सेलेक्शन)

इसका इस्तेमाल ड्राईंग के किसी भी सेलेक्ट किए हुए हिस्से को डॉक्यूमेंट से स्थायी रूप से साफ करने या हटाने के लिए किया जाता है। यदि आप ड्राईंग के किसी छोटे हिस्से को साफ करना या हटाना चाहें, तो क्लीयर सेलेक्शन विकल्प के बजाय इरेजर टूल का इस्तेमाल करना चाहिए। इरेज किए हुए या मिटाए हुए हिस्से को डॉक्यूमेंट में वापस लाने के लिए अनडू विकल्प आपकी मदद कर सकता है। इस विकल्प के लिए शॉर्टकट है डेल या डिलीट।

### Select All (सेलेक्ट ऑल)

इस विकल्प का इस्तेमाल पेंट के पूरे चित्रफलक या ड्राईंग क्षेत्र को सेलेक्ट करने के लिए किया जाता है। इसका शॉर्टकट है कंट्रोल + ए।

### Copy To (कॉपी टू)

इस विकल्प का इस्तेमाल ग्राफिक्स के किसी भी सेलेक्ट किए हुए हिस्से को मौजूदा डॉक्यूमेंट से किसी दूसरे डॉक्यूमेंट में स्थानांतरित करने के लिए किया जाता है। दूसरे शब्दों में, यह पेंट को निर्यात करने की विधि है। कमांड देने के बाद यह टारगेट या लक्षित फाइल का नाम पूछेगी। यदि यह पहले से मौजूद फाइल है, तो मौजूदा सामग्री को हटाकर उसके ऊपर वर्तमान सामग्री लिख देगी।

### Paste From (पेस्ट फ्रॉम)

यह विकल्प पहले से मौजूद फाइल की विषय सामग्री को वर्तमान फाइल में आयात करने या लाने में मदद करता है।

### View Menu (व्यू मीनू)

इस मीनू में पेंट विंडो के विभिन्न अवयवों के व्यूज या दृश्यों अलग-अलग प्रकार के कार्य करने के विभिन्न विकल्प होते हैं।

### Tool Box (टूलबॉक्स)

इस विकल्प का इस्तेमाल पेंट के टूलबॉक्स को ऑन/ऑफ करने के लिए किया जाता है। शॉर्टकट है कंट्रोल + टी।

### Color Box (कलर बॉक्स)

इसका इस्तेमाल पेंट के कलर पैलेट को ऑन/ऑफ करने के लिए किया जाता है। शॉर्टकट है कंट्रोल + एल।

### Status Bar (स्टेटस बार)

विंडो से स्टेटस बार को ऑन/ऑफ करने के लिए इस विकल्प का इस्तेमाल करें।